सीएसआईआर–सीरी और बिट्स, पिलानी के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू)

सीएसआईआर - केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर–सीरी), पिलानी और बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बिट्स), पिलानी के बीच दिनांक 11 दिसंबर, 2025 को महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) का आदान-प्रदान हुआ। इस एमओयू का उद्देश्य पिलानी को अनुसंधान, डिज़ाइन, विकास और नवाचार का प्रमुख केंद्र बनाना है, जिसके लिए दोनों संस्थान अनुसंधान, विकास, कौशल उन्नयन तथा शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में मिलकर कार्य करेंगे। इस कार्यक्रम का सफल समन्वयन सीएसआईआर-सीरी, पिलानी के परियोजना प्रबंधन एवं मूल्यांकन (PME) एवं प्रौद्योगकी एवं व्यवसाय संवर्धन (TBD) समूह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

प्रोफेसर चंद्रशेखर की उपस्थिति में सीएसआईआर-सीरी एवं बिट्स, पिलानी के बीच एमओयू का आदान-प्रदान करते हुए डॉ. पी. सी. पंचारिया एवं प्रोफेसर एस. के. बरई

समझौता ज्ञापन (MoU) पर सीएसआईआर-सीरी, पिलानी के निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया और बिट्स, पिलानी के निदेशक डॉ. एस. के. बरई ने हस्ताक्षर किए। समारोह में सीएसआईआर-सीरी के पूर्व निदेशक प्रोफेसर चंद्रशेखर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा इस अवसर पर बिट्स, पिलानी की ओर से प्रोफेसर एन. वी. एम. राव, प्रोफेसर राज कुमार गुप्ता, डॉ. नवनीत गुप्ता, प्रोफेसर एच. डी. माथुर, डॉ. आशीष गुप्ता एवं प्रोफेसर सचिन बेलगामवार उपस्थित रहे। साथ ही, सीएसआईआर–सीरी की ओर से संस्थान के सभी समूह प्रमुखों ने इस कार्यक्रम में सहभागिता की।

समझौते के अंतर्गत अनुसंधान एवं विकास वित्तपोषण (R&D funding agencies) एजेंसियों के लिए संयुक्त परियोजनाओं के साथ बहु-संस्थागत परियोजनाओं पर भी कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही संयुक्त स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम (SDP) और फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP) प्रारंभ किए जाएंगे, तथा वैज्ञानिक सम्मेलनों, सेमिनारों और संगोष्ठियों का संयुक्त आयोजन होगा। उभरते एवं अत्याधुनिक विषयों में उन्नत पाठ्यक्रमों तथा अध्ययन सामग्री का संयुक्त विकास और सह-शिक्षण भी इस सहयोग का एक महत्वपूर्ण आधार होगा। पीएच.डी. एवं पीएच.डी. DRIVE कार्यक्रमों हेतु संयुक्त पर्यवेक्षण किया जाएगा। साथ ही, बीआईटीएस के विद्यार्थियों के स्नातक शोध कार्यों एवं स्नातक शोधप्रबंध (थीसिस) का भी संयुक्त रूप से मार्गदर्शन किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त इस समझौते के अंतर्गत सीरी के मुख्य (Flagship) प्रशिक्षण कार्यक्रम 'सेमीकंडक्टर हाई इम्पैक्ट लर्निंग प्रोग्राम (SHILP) के साथ-साथ सीएसआईआर-सीरी की प्रयोगशालाएँ बिट्स छात्रों के लिए उपलब्ध रहेंगी तथा इन्हें प्रैक्टिस स्कूल I (PS-I) और प्रैक्टिस स्कूल II (PS-II) के लिए प्रैक्टिस स्टेशन के रूप में भी उपलब्ध कराया जाएगा। दोनों संस्थान मिलकर अनुसंधान सुविधाओं एवं बुनियादी ढांचे का परस्पर साझा उपयोग सुनिश्चित करेंगे। यह समझौता न केवल दोनों संस्थानों की क्षमताओं को अधिक व्यापक बनाएगा, बल्कि पिलानी क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान एवं नवाचार को भी एक नई दिशा प्रदान करेगा।